

1. कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था?

उत्तर:

कर्नल कालिंज ने वज़ीर अली को गिरफ़्तार करने के लिए जंगल में अपना खेमा लगाया था।

2. वज़ीर अली से सिपाही क्यों तंग आ चुके थे?

उत्तर:

कई वर्षों से वज़ीर अली अंग्रेज़ों की नाक में दम करता रहा, बार-बार भाग जाता था, उसे पकड़ने में असफल रहने से सिपाही तंग आ चुके थे।

3. कर्नल ने सवार पर नज़र क्यों रखने को कहा?

उत्तर:

धूल उड़ती देख कर्नल को शक हुआ कि कई लोग वज़ीर को ढूँढ़ रहे हैं, इसलिए उसने सवार पर नज़र रखने को कहा।

4. सवार ने क्यों कहा कि वज़ीर अली को गिरफ़्तार करना कठिन है?

उत्तर:

वह खुद वज़ीर अली था, उसकी बहादुरी और चालाकी से कोई उसे पकड़ नहीं सकता था।

(क) 25–30 शब्द

1. वज़ीर अली के अफ़साने क्यों रॉबिनहुड की याद दिलाते थे?

उत्तर:

वज़ीर अली बिलकुल रॉबिनहुड की तरह साहसी, चतुर और बहादुर था; उसने भी अंग्रेज़ों को चकमा दे रखा था, हत्या करके भी भाग गया था।

2. सआदत अली कौन था? वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों मानी?

उत्तर:

सआदत अली नवाब आसिफुद्दौला का भाई था। वारिस के तौर पर नवाब बनने की आशा थी; वज़ीर अली की पैदाइश से उसकी सारी आशाएँ टूट गई थीं।

3. सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने का मकसद क्या था?

उत्तर:

अंग्रेज़ उसे तख्त पर बिठाने से अवधी संपत्ति व धन पर अधिकार चाहते थे, सआदत अली उनका पिटू और आराम पसंद था।

4. कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीर अली ने अपनी हिफ़ाजत कैसे की?

उत्तर:

कत्ल के बाद वह आजमगढ़ भाग गया, वहाँ के नवाब ने उसे घागरा नदी के जंगलों तक सुरक्षित पहुँचाया, वहीं वह छिपकर रहने लगा।

5. सवार के जाने के बाद कर्नल हक्का-बक्का क्यों रह गया?

उत्तर:

सवार (वज़ीर अली) बड़ी चालाकी से उससे भेट करने, कारतूस ले जाने और अपना नाम बताते हुए भाग गया—कर्नल उसकी हिम्मत पर दंग रह गया।

(ख) 50–60 शब्द

1. लेफ्टिनेंट को क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ पूरे हिंदुस्तान में लहर है?

उत्तर:

लेफ्टिनेंट को कर्नल ने बताया कि वज़ीर अली के साथ दक्षिण में टीपू सुल्तान, बंगाल में शमसुद्दौला, साथ ही अफ़ग़ानिस्तान के शासक को भी बुलाया गया है। इससे उसे लगा कि केवल वज़ीर अली ही नहीं, पूरे हिंदुस्तान में अंग्रेज़ विरोधी लहर उठ रही है।

2. वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?

उत्तर:

वज़ीर अली को नवाब पद से हटा बनारस भेजा, फिर कलकत्ता बुलाया गया। वहाँ वकील ने उसकी बात सुनने के बजाय खरी-खोटी सुनाई जिससे वज़ीर अली ने गुस्से में उसकी हत्या कर दी।

3. सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे लिए?

उत्तर:

वज़ीर अली ने खुद को सवार बताकर, कर्नल से अकेले मिलने की मांग की, और बहादुरी से धोखा देकर दस कारतूस ले गया—कर्नल उसे पहचान न सका।

4. वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही—कैसे?

उत्तर:

तख़्त छिनने के बाद भी लड़ता रहा, वकील का कत्ल कर भाग गया, अंग्रेज़ों को बार-बार चकमा देता रहा, अकेले खेमे में जा कारतूस ले आया, साहस व वीरता के लिए उसे जाँबाज़ कहते हैं।

(ग) आशय स्पष्ट करें

1. “मुट्टीभर आदमी और इतना दमखम।”

उत्तर:

वज़ीर अली के थोड़े से साथियों के बावजूद उनका साहस, वीरता और संघर्ष अँग्रेज़ों की पूरी फौज को चकित कर रहा था।

2. “गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे काफ़िला आ रहा हो...”

उत्तर:

वज़ीर अली अकेले आ रहा था, तेजी से धूल उड़ रही थी कि दूर से पूरा काफ़िला जान पड़ता था, लेकिन असल में वह अकेला था।

भाषा अध्ययन

1. पर्यायवाची:

खिलाफ़ – विरुद्ध

पाक – पवित्र

उम्मीद – आशा

हासिल – प्राप्त

कामयाब – सफल

वजीफ़ा – छात्रवृत्ति

नफ़रत – घृणा

हमला – आक्रमण

इंतेज़ार – प्रतीक्षा

मुमकिन – संभव

2. मुहावरे वाक्य प्रयोग:

- आँखों में धूल झोंकना – चोर ने पुलिस की आँखों में धूल झोंक दी।
- कूट-कूट कर भरना – उसमें साहस कूट-कूट कर भरा था।
- काम तमाम कर देना – उसने दुश्मन का काम तमाम कर दिया।
- जान बख़्श देना – शिकारी ने हिरन की जान बख़्श दी।
- हक्का-बक्का रह जाना – परीक्षा परिणाम सुनकर मैं हक्का-बक्का रह गया।

3. कारक पहचानिए:

- (क) जंगल की जिंदगी – संबंध कारक
- (ख) कंपनी के खिलाफ़, हिन्दुस्तान में – संबंध, अधिकरण
- (ग) वज़ीर को उसके पद से – कर्म, अपादान
- (घ) फ़ौज़ के लिए, कारतूस की – संप्रदान, संबंध
- (ङ) सिपाही घोड़े पर – अधिकरण

4. 'ने' से वाक्य बनाइए:

- (क) घोड़े ने पानी पिया।
- (ख) बच्चों ने दशहरे का मेला देखा।
- (ग) रॉबिनहुड ने गरीबों की मदद की।
- (घ) देशभर के लोगों ने उसकी प्रशंसा की।

5. उचित विराम-चिह्न:

- (क) कर्नल ने कहा, "सिपाहियों, इस पर नज़र रखो, ये किस तरफ़ जा रहा है?"
- (ख) सवार ने पूछा, "आपने इस मकाम पर क्यों खेमा डाला है? इतने लावलशकर की क्या ज़रूरत है?"
- (ग) खेमे के अंदर दो व्यक्ति बैठे बातें कर रहे थे। चाँदनी छिटकी हुई थी और बाहर सिपाही पहरा दे रहे थे। एक व्यक्ति कह रहा था, "दुश्मन कभी भी हमला कर सकता है।"

MATRIX
STUDIES